IMPACT FACTOR 5.397 (SJIF USA)
BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed /Refereed Open Access Journal
Vol. 3, Issue 4, October-December, 2025
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/
ISSN : 3048-6971

मुजफ्फरपुरक कविता : एक आकलन

डॉ. अल्फा कुमारी
घनश्यामपुर (दरभंगा)

मुजफ्फरपुर पर कलम चलेनिहार मैथिलीक ई पहिल साहित्यकार छथि जिनकर साहित्य पढ़ि क' पाठक मुजफ्फरपुरक विषयमे जानि सकैत छथि, मैथिली केर एहन कोनो दोसर रचना हमरा दृष्टिगोचर नहि भेल अछि जाहिमे मुजफ्फरपुर केर विषयमे चिन्तन होइ। एतय के दुःख-सुख, आबाजाही, लोकबेद, स्कूल-कॉलेजक कोनो ने कोनो रूपमे कवि चित्रण केने छथि।

एहि कविता संग्रहक रचेता छथि डॉ. रत्न कृष्ण झा, विभागाध्यक्ष, मैथिली विभाग, आर.एन.ए.आर. कॉलेज, समस्तीपुर। हिनक ई दोसर कविता संग्रह छनि। एहिसँ पूर्व हिनक 'कविता-रतन' नामसँ कविता संग्रह छपल छनि। संगहि पत्र-पत्रिकामे पर्याप्त रचना छपैत छनि आ 'सौभाग्य' मिथिला टीभीमे मैथिली-चेनलमे सेहो दर्जन भरि कविता प्रसारण भेल छनि। ताहिसँ अलग हिनक प्रायः हजारमे कविता छपबाक बाट तकैत छनि। कविता ई खूब लिखैत छथि, संगहि कथा, निबंध, आलोचना सेहो ई लिखने छथि जे पत्र-पत्रिकादि शोध जर्नल आदिमे छपल छनि।

डॉ. झा अपन जिनगीक अधिकांश समय मुजफ्फरपुरमे बितेलनि आ एखनहु हुनकर निवास मुजफ्फरपुरमे छनि तैं स्वाभाविक रूपसँ अपन साहित्यमे ई मुजफ्फरपुर कँ रखैत छथि। हिनका दृष्टिमे मुजफ्फरपुर मिथिलाक केन्द्रबिन्दु थिक। अपन पोथीक मुखपृष्ठ पर लिखने छथि-

आर हमरा किछु नहि काज'
मैथिली भाषी मिथिला राज'

ई उद्‌बोध मैथिली पाठक आ कि मैथिली प्रेमीक लेल एकटा स्वतंत्रता संग्रामक नारा सन बुझाइछ। एहि देशमे प्रायः भाषाधार प्रांते अछि मुदा मैथिली भाषी क्षेत्रकँ आइ धरि अपन स्वतंत्र राज्य नहि भ सकलै जखन कि झारखंडसँ पूर्वे सँ ई चिन्तन छैक।

अपनहु कवि मैथिलीक प्राध्यापक छथि तैं हुनका मैथिलीक प्राध्यापकमे किछु उमेद देखाय पड़ैत छनि आ ओ 'हम्मर आखर मे एकमात्र मैथिलीक प्राध्यापक चर्च करैत छथि- "खासक मदन बाबू डॉ. मदन मिश्र, पूर्व अध्यक्ष, मैथिली विभग, नीतीश्वर कॉलेज, मुजफ्फरपुर जे मुजफ्फरपुरक चिन्तनकें नीक दिसा देलनि।""

डॉ. मदन मिश्र जे नोकड़ीक खेसी समय एल.के. कॉलेज, सीतामढ़ीमे छलाह, प्रायः दू हजारसँ दू हजार पन्द्रह तक नीतीश्वर कॉलेज, मुजफ्फरपुरमे मैथिलीक प्राध्यापक छलाह आ ताहि समयमे ओ मिथिला मैथिलीक लेल सतत अग्रसर रहलाह, जाहि एहि पोथीक लेखक सतत हुनका संग देलखी आ ओ तें मुजफ्फरपुरक मैथिली चिन्तनक मुखिया हुनका मानैत छथि।

अपन संग्रहक पहिल कविता चाहक कप' मे हुनका मिथिलाक नक्सा देखाय पड़ैत छनि-

"चाहक कपमे देखाइछ।"
मिथिलाक नक्सा
नेपालक जनकपुरसँ
बंगाल, मालदा एवं झारखण्डक
देवघर, दुमका, साहेबगंज, गोड्डा तक

कवि 'चाहक कप'मे मिथिलाक नक्सा देखैत छथि, खासक ओ भूभाग जे आब भेटक दुर्लभ छै, नेपालक मिथिला

बल्ला हिस्सा, बंगालक मालदह आ झारखंडक देवघर, दुमका, साहेबगंज, गोड्डा। ई बात स्पष्ट करैछ जे पोथीक मुखपृष्ठ पर जाहि तरहक उद्‌बोधन छै, ताहि तरहक सोच हिनकर पूरा रचनामे छनि आ ताहिमे मुजफ्फरपुर कोना स्थापित हो इएह हिनक मूल भाव छनि। कवि एखन मिथिला विश्वविद्‌यालयमे सेवा द' रहल छथि, मुदा मुजफ्फरपुर ओ बिहार विश्वविद्‌यालय हुनकर जिनगीक अंग बनि चुकल छनि। "अचर्चाक पी-एच.डी. भाइभा' मे लिखैत छठी-

अबैत अछि ओ दिन याद

अबैत रही कहियो लंगट सिंह मैथिली

सँ युनुवर्सिटी बोटनीक शुक्लाजीक लैबमे

अहाँक बनाओल ओ तेज लीकरक चाय

बिसर नहि पबैत छी आइयो।

लंगट सिंह कॉलेजसँ कविक पुरान रिस्ता छनि ओतहि सँ ई मैथिली ऑनर्सक टॉपर गोल्ड मेडलिस्ट छलाह। पुनः ओतहि भारत सरकारक विश्वविद्‌यालय अनुदान आयोगक फेलोशिप जेआरएफ-एसआरएफमे शोधरत छलाह। प्रायः शोधक अवधिमे अपन बोटनीक संगी सब लग विश्वविद्‌यालय बोटनी विभाग अबैत छलाह तकर चर्च एहि कवितामे बोटनीक पी-एच.डी. भाइभा में केने छथि।

एहि तरहैं हिनक पूरा संग्रह मुजफ्फरपुरक सुख आ दुःख, मुखपृष्ठ पर लीचीक फोटो ई स्पष्ट संकेत करैछ जे ओ मुजफ्फरपुरकैं सब तरहैं अपन जीवन द' देने छथि, एना हुनक जन्मस्थान दरभंगाक घनश्यामपुरमे छनि।

संदर्भ-

1. मुख पृष्ठ-मुजफ्फरपुर कविता (कविता संग्रह)
2. वाएह-हमर पत्र
3. वाह, पृष्ठ 10। १
4. वाह, पृष्ठ-21